एटीट्यूड: कंटेंट, संरचना और कार्य

एटीट्यूड क्या है?

- **एटीट्यूड के बारे में:**
  - यह एक मनोवैज्ञानिक प्रवृत्ति है जो किसी विशेष इकाई का कुछ हद तक पक्ष एवं विपक्ष में मूल्यांकन करके व्यक्त की जाती है।
  - लोग जो मूल्यांकन करते हैं वे अत्यंत प्रतिकूल से लेकर अत्यंत अनुकूल तक हो सकते हैं या इनके बीच भी हो सकते हैं।
  - दृष्टिकोण मिश्रित हो सकते हैं और एक ही वस्तु के संबंध में समय-समय पर भिन्न हो सकते हैं।

वर्गीकरण:

- **स्पष्ट:**
  - यदि कोई व्यक्ति अपने दृष्टिकोण से अवगत है और वह उसके व्यवहार और विश्वासों को प्रभावित करता है, तो उसका दृष्टिकोण स्पष्ट है।
  - स्पष्ट दृष्टिकोण सचेतन रूप से बनता है।
- **अंतर्निहित**:
  - एक व्यक्ति अपने निहित विश्वासों से अनजान हो सकता है, हालाँकि ये अभी भी उसके आचरण और व्यवहार पर कुछ प्रभाव डालते हैं।
  - **निहित दृष्टिकोण अवचेतन दृष्टिकोण है।**
- **एटीट्यूड के घटक क्या हैं?**
- एटीट्यूड के तीन घटक हैं।
  - **प्रभावशाली (भावनात्मक):**
    - इसमें उस भावना का समावेशन होता है जिसे वस्तु, व्यक्ति, मुद्दा या घटना उद्घाटित होती है। व्यावहारिक भाग में उस तरीके का समावेश होता है, जिससे व्यक्ति के व्यवहार को दृष्टिकोण प्रभावित करता है।
    - उदाहरण के लिये मुझे मकड़ियों से डर लगता है।
  - **व्यवहार (कोनेटिव):**
    - मनोविज्ञान में कोनेटिव का अर्थ है एक मानसिक प्रक्रिया जिसमें इच्छा-आवेग, संकल्प शामिल हैं।
    - उदाहरण के लिये मैं मकड़ियों से बचूंगा और अगर मैं किसी मकड़ी को देखूं तो चीखूंगा।
  - **संज्ञानात्मक:**
    - इसका अर्थ है 'कारण, अंतर्ज्ञान और धारणा के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करने की प्रक्रिया से संबंधित'।
    - इसमें एटीट्यूड का अर्थ वस्तु के बारे में एक व्यक्ति के विचार और विश्वास शामिल हैं।
    - उदाहरण के लिये मेरा मानना है कि मकड़ियाँ खतरनाक होती हैं।

अभिवृत्तियों के निर्माण के पीछे क्या कारक हैं?

- **संस्कृति:**
  - संस्कृति व्यक्ति पर अत्यधिक प्रभाव डालती है। संस्कृति में अपने आप में धर्म, परंपरा, रीति-रिवाज, निषेध, पुरस्कार और प्रतिबंध शामिल हैं।
  - समाजीकरण वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा संस्कृति लोगों के एटीट्यूड को आकार देती है।
  - संस्कृति व्यक्तिगत विश्वासों, दृष्टिकोणों और व्यवहारों को सिखाती है जो किसी के जीवन और समाज में स्वीकार्य हैं।
  - उदाहरण के लिये भारत में आमतौर पर बीफ खाना वर्जित माना जाता है लेकिन पश्चिमी देशों में ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं है।
- **परिवार:**
  - परिवार एक व्यक्ति के लिये सबसे महत्त्वपूर्ण और निकटतम सामाजिक समूह है। यह एटीट्यूड निर्माण की नर्सरी है।
  - परिवार प्रणाली में माता-पिता अधिक प्रभावशाली होते हैं जो एक बच्चे के दृष्टिकोण की संरचना करते हैं और उसे ढालते हैं।
  - विस्तारित परिवार और भाई-बहन के रिश्ते, विशेष रूप से एटीट्यूड निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- **सामाजिक समूह:**
  - परिवार के अलावा कई सामाजिक समूह एटीट्यूड निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जिसमें मित्र, सहकर्मी आदि शामिल हैं।
  - भारत में मतदान पैटर्न पर विचार करें तो ऐसे लोग भी हैं जो उम्मीदवार के भाषणों को नहीं सुनते हैं, समाचार पत्र नहीं पढ़ते हैं या बहस नहीं देखते-सुनते हैं। वे दोस्तों, परिवार आदि से विमर्श करते हैं और एक उम्मीदवार को वोट देते हैं। परिवार, मित्र और ऐसे अन्य सामाजिक समूह

उम्मीदवार की पसंद को निश्चित रूप से प्रभावित करते हैं।

- **संस्थान**:
  - आदमी कभी अकेला नहीं होता। पालन-पोषण से लेकर मृत्यु तक वह किसी न किसी संस्था के प्रभाव में रहता है।
  - उदाहरण के लिये स्कूल और कॉलेज जैसे शैक्षणिक संस्थान ज्ञान के भंडार के रूप में कार्य करते हैं, किसी व्यक्ति के विश्वासों, मूल्यों को निर्देशित एवं आकार देते हैं तथा इस प्रकार दृष्टिकोण का निर्माण करते हैं।
- **परिचिति:**
  - परिचिति होना सकारात्मक दृष्टिकोण को जन्म देता है। मनुष्य को आमतौर पर अज्ञात का डर रहता है, इसलिये कोई भी परिचिति चीज उसे शांति का अनुभव करा सकती है।
  - परिचिति और क्लासिकल कंडीशनिंग एक व्यक्ति की भावनाओं पर प्रभाव डालती है और इसलिये दृष्टिकोण के भावात्मक घटक को आकार देती है।

मनोवृत्ति में परिवर्तन लाने की क्या तकनीकें हैं?

- **शास्त्रीय/पावलोवियन कंडीशनिंग:**
  - इस तकनीक में व्यक्ति को बार-बार एक सकारात्मक और तटस्थ उत्तेजना के संपर्क में लाया जाता है तथा कुछ समय बाद तटस्थ उत्तेजनाओं की प्रतिक्रिया सकारात्मक उत्तेजनाओं की प्रतिक्रिया के समान हो जाती है।
- **इंस्ट्रुमेंटल कंडीशनिंग:**
  - एक ऐसी प्रक्रिया जिसमें पुरस्कृत होने पर सकारात्मक व्यवहार में नकारात्मक व्यवहार के विपरीत पुनरावृत्ति की संभावना अधिक होती है, जिसे दोहराए जाने पर सज़ा मिलती है और इस प्रकार पुनरावृत्ति की संभावना कम होती है।
  - **उदाहरण:**
    - माता-पिता किसी बच्चे की सफलता का जश्न दोस्तों के बीच उसकी प्रशंसा करके मनाते हैं, जिससे बच्चे का सफलता के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण बनेगा। इसके अलावा जब माता-पिता बच्चे को उसकी गलतियों के लिये दंडित करते हैं, तो यह बच्चे को फिर से उन गलतियों को करने से हतोत्साहित करता है।
- **सामाजिक अवलोकन:**
  - इसमें हमारे सामाजिक परिवेश जैसे- परिवार, स्कूल, मीडिया और इसकी अभिव्यक्ति से सीखना शामिल है।

एटीट्यूड के क्या उपयोग हैं?

- **ज्ञान को बढ़ाने में:**
  - अभिवृत्तियों का एक उपयोग ज्ञान के क्षेत्र में होता है, जो व्यक्तियों को अपने परिवेश को समझने और अपने विचारों एवं सोच में सुसंगत रहने में सक्षम बनाता है। अधिकांश अभिवृत्तियाँ किसी न किसी रूप में इस मूल कार्य की पूर्ति करती हैं।
- **उपयोगितावादी कार्य:**
  - एटीट्यूड व्यक्तियों को उनके वातावरण में स्थितियों के अनुसार विभिन्न व्यक्तियों, समूहों से बातचीत करते हुए अधिकतम लाभ के साथ नुकसान को कम करने में मदद करता है। उपयोगितावादी दृष्टिकोण ऐसे व्यवहार की ओर ले जाता है जो किसी के हितों को अनुकूलित करता है।

सामाजिक भूमिका निभाना:

- मनोवृत्ति एक व्यक्ति की आत्म-अभिव्यक्ति और सामाजिक संपर्क में मदद करते हुए सामाजिक भूमिका निभाने में मदद करती है।
- किसी दिये गए एटीट्यूड के सेट में शामिल हो जाना महत्त्वपूर्ण संदर्भ समूहों के साथ पहचान को अपने मूल मूल्यों को व्यक्त करने और अपनी पहचान स्थापित करने का संकेत देता है। दृष्टिकोण की इस सामाजिक भूमिका को सामाजिक पहचान कार्य के रूप में जाना जाता है। यह एक व्यक्ति की अपनी व्यक्तिगत और सामाजिक पहचान स्थापित करने की इच्छा को रेखांकित करता है।

किसी व्यक्ति का आत्म-सम्मान बनाए रखना:

- दृष्टिकोण किसी व्यक्ति के आंतरिक मानसिक संघर्ष से निपटने के लिये रक्षा तंत्र के रूप में काम कर सकता है जो व्यक्तिगत के भीतर तनाव को दर्शाता है।
- रक्षा तंत्र किसी व्यक्ति के वास्तविक उद्देश्यों को खुद से छिपाते हैं या मनोवैज्ञानिक रूप से उसे शत्रुतापूर्ण या धमकी देने वाले समूहों से अलग करते हैं।
- मनोवृत्ति अन्य तरीकों से भी आत्म-सम्मान बनाए रखती है। कई चीज़ों के प्रति एक व्यक्ति का नज़रिया उसके अपने स्वयं के मूल्यांकन को प्रभावित करने के तरीके पर उसके दृष्टिकोण से प्रभावित होता है।
- उदाहरण के लिये हमारे दोस्तों और परिचितों के प्रति हमारा दृष्टिकोण इस बात पर निर्भर करता है कि हम इस तरह के जुड़ाव को अपनी सामाजिक स्थिति को बढ़ाने या कम करने के रूप में देखते हैं।

एटीट्यूड का मूल्य प्रणाली से क्या संबंध है?

- एक मूल्य प्रणाली उस आदेश और प्राथमिकता को संदर्भित करती है जिसे एक व्यक्ति या समाज नैतिक और वैचारिक मूल्यों को सुनिश्चित करता है।

- जबकि दो व्यक्ति या समूह सामान्य मूल्यों का एक समूह साझा कर सकते हैं, वे उन मूल्यों को समान महत्त्व या वरीयता नहीं दे सकते हैं।

एटीट्यूड और बिहेवियर (व्यवहार) में क्या अंतर है?

एटीट्यूड	व्यवहार
मनोवृत्ति को एक व्यक्ति की मानसिक प्रवृत्ति के रूप में परिभाषित किया जाता है, जो किसी व्यक्ति या वस्तु के लिये उसके सोचने या महसूस करने के तरीके हेतु ज़िम्मेदार होता है।	व्यवहार का तात्पर्य अन्य व्यक्तियों के प्रति क्रियाओं, चालों, आचरण या कार्यों या किसी व्यक्ति या समूह से है।
एक व्यक्ति का दृष्टिकोण मुख्य रूप से अपने जीवन और अवलोकन के दौरान उसके द्वारा प्राप्त अनुभवों पर आधारित होता है।	दूसरी ओर व्यक्ति का व्यवहार स्थिति पर निर्भर करता है।
मनोवृत्ति एक व्यक्ति के आंतरिक विचार और भावना है।	इसके विपरीत व्यवहार व्यक्ति के दृष्टिकोण को व्यक्त करता है।
सोचने या महसूस करने का तरीका व्यक्ति के दृष्टिकोण से परिलक्षित होता है। दृष्टिकोण को हम चीज़ों को देखने के तरीके के रूप में परिभाषित करते हैं जबकि व्यवहार सामाजिक मानदंडों द्वारा शासित होता है	इसके विपरीत व्यक्ति का आचरण उसके व्यवहार से प्रतिबिम्बित होता है। मनोवृत्ति एक मानवीय गुण है लेकिन व्यवहार एक जन्मजात विशेषता है।

एटीट्यूड व्यवहार को कैसे प्रभावित करता है?

- **सकारात्मक एटीट्यूड:**
  - एक व्यक्ति जिसका दृष्टिकोण अपने कार्य और सहकर्मियों (जैसे संतोष, मित्रता आदि) के प्रति सकारात्मक है, वह अपने आसपास के लोगों को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है।
  - उदाहरण: अच्छे व्यवहार वाले लोग सक्रिय और उत्पादक होते हैं तथा अपने आसपास के लोगों के मूड को बेहतर बनाने के लिये वह सब कुछ करते हैं जो वे कर सकते हैं।
- **नकारात्मक दृष्टिकोण:**
  - एक व्यक्ति जो नकारात्मक दृष्टिकोण (जैसे- असंतोष, ऊब, आदि) प्रदर्शित करता है, उसी के अनुसार व्यवहार करेगा।
  - उदाहरण: काम के प्रति इस प्रकार के दृष्टिकोण वाले लोग अपने आसपास के लोगों को भी प्रभावित कर सकते हैं और इस तरह से व्यवहार कर सकते हैं जिससे दक्षता एवं प्रभावशीलता कम हो जाए।
- **स्वार्थी एटीट्यूड:**
  - यह स्वार्थी तरीके से व्यक्ति के कार्यों का मार्गदर्शन करेगा।
  - उदाहरण: अपने स्वार्थ को निर्णय लेने के मानक के रूप में धारण करना।
- **तर्क या तर्कसंगत दृष्टिकोण:**
  - यह तर्कसंगत व्यवहार विकसित करता है।
  - उदाहरण: एक तर्कसंगत व्यक्ति अंधविश्वास से काम नहीं करेगा और हमेशा किसी भी कार्य के पीछे तर्कसंगतता खोजने की कोशिश करेगा।
- **अहंकारी रवैया:**
  - इसका परिणाम नकारात्मक दृष्टिकोण और व्यवहार के रूप में परिलक्षित होगा।
  - उदाहरण: उम्र में बड़े लोग अपने छोटे भाई-बहनों को नियंत्रित करते हैं, भले ही वह बड़े होने के उनके अहंकार को संतुष्ट करने के लिये गलत हो।

मूल्यों और विश्वासों के आधार पर रवैया:

- यह मूल्यों के अनुसार कार्य करेगा।
- उदाहरण: भारत में बड़ों के पैर छूना उन्हें सम्मान देने के दृष्टिकोण से निर्देशित होता है।

नैतिक और राजनीतिक एटीट्यूड से हम क्या समझते हैं?

- **नैतिक एटीट्यूड:**
  - नैतिकता का तात्पर्य धार्मिकता से है। नैतिक दृष्टिकोण धार्मिक व्यवहार से संबंधित दृष्टिकोण है। इस प्रकार नैतिक दृष्टिकोण एक तटस्थ अवधारणा नहीं है। यह धार्मिकता या सदाचार के प्रति पूर्वाग्रह है। कुछ नैतिक दृष्टिकोण इस प्रकार हैं:
    - भलाई
    - आदर
    - प्यार और करुणा
    - निस्वार्थता
    - सहानुभूति
- **राजनीतिक एटीट्यूड:**
  - राजनीतिक एटीट्यूड गुणों का एक ऐसा समूह है, जिसका उपयोग एक व्यक्ति राजनीतिक समस्या का सामना करने, उस समस्या के प्रति

आचरण को निर्धारित करने में करता है।
    - यह नियमों और विनियमों, रीति-रिवाजों, परंपराओं, विश्वासों का एक समूह भी है जो उस देश की राजनीतिक व्यवस्था को प्रभावित करता है।
    - किसी व्यक्ति का राजनीतिक एटीट्यूड सामाजिक जीवन के राजनीतिक पहलू पर उस व्यक्ति के दृष्टिकोण को प्रकट करता है जो नागरिक, सरकार और राजनीतिक व्यवस्था के कार्यों के बीच उसके संबंधों को परिभाषित करता है।
- **उदाहरण:**
    - एक चुनाव में मतदाताओं का मतदान व्यवहार व्यक्तिगत और राजनीतिक दलों द्वारा अनुसरण किये जाने वाले राजनीतिक दृष्टिकोण द्वारा तय किया जाता है।
    - भारत को आज़ादी मिलने पर सरकार की नीतियाँ समाजवादी प्रकृति की थीं, लेकिन 1990 के दशक में एलपीजी युग के बाद भारत ने अपनी खुली अर्थव्यवस्था और बाज़ार समर्थक नीति का पालन किया।

सामाजिक प्रभाव और अनुनय क्या है?

- **सामाजिक प्रभाव:**
    - यह एक ऐसा गुण है जो किसी व्यक्ति के व्यवहार, विचारों, भावनाओं और दृष्टिकोण में परिवर्तन ला सकता है जो समाज में किसी अन्य व्यक्ति के साथ बातचीत के परिणामस्वरूप प्राप्त होता है।
- **अनुनय:**
    - इसे संचार गतिविधियों के रूप में परिभाषित किया गया है जो कि मध्यस्थ है। यह किसी व्यक्ति के दृष्टिकोण, विश्वास या व्यवहार को बदलने या मज़बूत करने की प्रक्रिया है।
    - यह प्रक्रिया जान-बूझकर या अनजाने में हो सकती है, जिस तरह से बदला हुआ व्यक्ति खुद को प्रभावित करने वाले के संबंध में मानता है।
    - यह अनुरूपता, शक्ति और अधिकार से भिन्न है। यह संचार का मूलभूत कार्य है।

अनुनय का सिद्धांत क्या है?

- **अनुनय के सिद्धांत के बारे में:**
    - कई व्यावसायिक और प्रशासनिक स्थितियों में लोगों को अपने दृष्टिकोण, विश्वास और आदतों को बदलने के लिये राजी कर एटीट्यूड का निर्माण किया जाता है।
    - यह लोगों को अपने विश्वासों, दृष्टिकोणों और आदतों को बदलने के लिये राजी करने के आदर्श साधनों का वर्णन करता है।
    - इस सिद्धांत को दृष्टिकोण के विस्तार की संभावना के सिद्धांत के रूप में भी जाना जाता है।
    - उदाहरण के लिये सरकारें ग्रामीण क्षेत्रों में माता-पिता को बच्चों को प्राथमिक विद्यालयों में नामांकन के लिये प्रेरित करने का प्रयास कर सकती हैं।
    - लोगों को राजी करने की सफलता को निर्धारित करने वाले कारक हैं:
        - दर्शकों की विशेषताएँ:
        - किसी भी वस्तु के प्रति लोगों के दृष्टिकोण को बदलने के लिये उन्हें ऐसी जानकारी प्रदान करनी होगी जो उनके पास न हो।
        - ये दर्शक हैं, जिन्हें सूचना प्राप्त करनी होती है और उसे संसाधित करना होता है।
        - ऐसा करने की उनकी क्षमता उनकी बुद्धि पर निर्भर करती है।
        - उच्च बुद्धि वाले लोगों के एकतरफा संदेशों से राजी होने की संभावना नहीं है।
        - पारंपरिक दृष्टिकोण यह है कि उच्च आत्म-सम्मान वाले लोगों को नए दृष्टिकोण स्वीकार करने के लिये राजी करना कठिन है।
        - लेकिन आत्म-सम्मान और किसी के दृष्टिकोण को बदलने की इच्छा के बीच संबंध घुमावदार प्रतीत होता है।
        - इसका मतलब यह है कि आत्म-सम्मान के औसत स्तर वाले व्यक्ति उच्च आत्म-सम्मान या कम आत्म-सम्मान वाले लोगों की तुलना में अपने दृष्टिकोण को बदलने के लिये अधिक तैयार रहते हैं।
        - लक्षित दर्शकों की मनःस्थिति और मनोदशा भी उस तरीके को प्रभावित करती है जिसमें वे संदेश का जवाब देते हैं।

स्रोत की विशेषताएँ:

- ये उस व्यक्ति को संदर्भित करते हैं जो संदेश दे रहा है।
- वे चर जो यह निर्धारित करते हैं कि कोई व्यक्ति संदेश देने में कितना प्रभावी होगा, वह है उसकी विशेषज्ञता, विश्वसनीयता और दर्शकों के प्रति आकर्षण।
- दर्शकों को आश्वस्त करना होगा कि संदेश आधिकारिक और प्रामाणिक हैं।

संज्ञानात्मक मार्ग:

- एक दृष्टिकोण बदलने की मांग करने वाला संदेश किसी व्यक्ति की बुद्धि या तार्किक संकाय को इसके लिये अपील कर सकता है।
- यह अपील या तो केंद्रीय मार्ग या परिधीय मार्ग के माध्यम से हो सकती है।

केंद्रीय मार्ग:

- अनुनय के केंद्रीय मार्ग में व्यक्ति को डेटा के साथ प्रस्तुत किया जाता है और डेटा का मूल्यांकन करने तथा दृष्टिकोण बदलने वाले निष्कर्ष पर

पहुँचने के लिये प्रेरित किया जाता है।

परिधीय मार्ग:

- दृष्टिकोण परिवर्तन के परिधीय मार्ग में व्यक्ति को सामग्री को देखने के लिये नहीं बल्कि स्रोत को देखने के लिये प्रोत्साहित किया जाता है। यह आमतौर पर आधुनिक विज्ञापनों में देखा जाता है जिसमें मशहूर हस्तियों को दिखाया जाता है।
- उदाहरण: एक लोकप्रिय एथलीट द्वारा एथलेटिक जूतों का विज्ञापन करना युवा वयस्कों को जूते खरीदने के लिये प्रोत्साहित करने का एक सामान्य तरीका है।

मनोवृत्ति से संबंधित कुछ उद्धरण:

- सही मानसिक मनोवृत्ति वाले व्यक्ति को उसका लक्ष्य प्राप्त करने से कोई नहीं रोक सकता, गलत मानसिक मनोवृत्ति वाले व्यक्ति की पृथ्वी पर कोई सहायता नहीं कर सकता। **- थॉमस जेफरसन**
- बारिश के दौरान सभी पक्षी आश्रय ढूँढते हैं लेकिन बाज़ बादलों के ऊपर उड़कर बारिश से बचता है। समस्याएँ आम हैं, लेकिन नज़रिए से फर्क पड़ता है। **- एपीजे अब्दुल कलाम**
- एटीट्यूड की कमज़ोरी चरित्र की कमज़ोरी बन जाती है। **- अल्बर्ट आइंस्टीन**
- आशावाद वह विश्वास है जो उपलब्धि की ओर ले जाता है, आशा के बिना कुछ भी नहीं किया जा सकता है। - **हेलेन केलर**

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्षों के प्रश्न:

प्रश्न. सकारात्मक दृष्टिकोण को एक सिविल सेवक की अनिवार्य विशेषता माना जाता है जिसे अक्सर अत्यधिक तनाव में कार्य करने की आवश्यकता होती है। व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण क्या योगदान देता है? (150 शब्द)। (वर्ष 2021)

प्रश्न. स्वच्छ भारत अभियान की सफलता में सामाजिक प्रभाव और अनुनय कैसे योगदान दे सकते हैं? (वर्ष 2016)

प्रश्न. सामाजिक समस्याओं के प्रति व्यक्ति के दृष्टिकोण के निर्माण को कौन से कारक प्रभावित करते हैं? हमारे समाज में अनेक सामाजिक समस्याओं को लेकर परस्पर विरोधी अभिवृत्तियाँ प्रचलित हैं। आप हमारे समाज में जाति व्यवस्था के बारे में कौन-से विपरीत दृष्टिकोण देखते हैं? आप इन विपरीत प्रवृत्तियों के अस्तित्व की व्याख्या कैसे करते हैं? (वर्ष 2014)

प्रश्न. जीवन, कार्य, अन्य लोगों और समाज के प्रति हमारा दृष्टिकोण आमतौर पर अनजाने में उस परिवार एवं सामाजिक परिवेश से आकार लेता है जिसमें हम बड़े होते हैं। इनमें से कुछ अनजाने में अर्जित दृष्टिकोण तथा मूल्य आधुनिक लोकतांत्रिक व समतावादी समाज के नागरिकों में अक्सर अवांछनीय होते हैं।

(A) आज के शिक्षित भारतीयों में प्रचलित ऐसे अवांछनीय मूल्यों पर चर्चा करें।

(B) इच्छुक और सेवारत सिविल सेवकों में इस तरह के अवांछनीय व्यवहार को कैसे बदला जा सकता है एवं सामाजिक-नैतिक मूल्यों को कैसे विकसित किया जा सकता है? (वर्ष 2016)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/attitude-content-structure-and-function